Tender Heart High School, Sector- 33-B, Chandigarh

कक्षा - नौवीं
विषय - हिन्दी व्याकरण शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरस हिन्दी व्याकरण

उपविषय : 'लोकोक्तियाँ'

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा नौवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौ एवं दस की पृष्ठ संख्या- 116 पर दी गई लोकोक्तियों पर चर्चा करेंगे।

बच्चो! आज का हमारा उपविषय लोकोक्तियाँ हैं। आप सभी अपनी-अपनी पुस्तक निकाल लें और एक उत्तर-पुस्तिका भी निकाल लें। सभी छात्र अब पढ़ने के लिए तैयार हो जाएँ। पाठ के मध्य आपसे पढ़ाई जा रही लोकोक्तियों से संबंधित कुछ प्रश्न पूछे जाएँगे, उन प्रश्नों के उत्तर आप तभी दे पाओगे यदि आप अपना ध्यान विषय की ओर ही केन्द्रित रखोगे। आशा है कि अब आप सब पढ़ने के लिए तैयार हैं।

'लोकोक्ति' शब्द दो शब्दों का मेल है। लोक + उक्ति। लोक का अर्थ है जगत तथा उक्ति का अर्थ है कथन। लोक में प्रचलित कहावतें ही लोकोक्ति कहलाती हैं।

जीवन के अनुभव बहुत कुछ सिखाते हैं। हम इन अनुभवों को वाक्यों में पिरो देते हैं तो वे लोकोक्ति या कहावत का रूप धारण कर लेते हैं। धीरे-धीरे ये कहावतें लोक की संपत्ति बन जाती हैं। यह ऐसा कथन

होता है, जिसमें व्यापक लोक अनुभव समाहित रहता है।

अतः लोकोक्ति अपने में स्वतन्त्र अर्थ रखने वाला, सारगर्भित और चटपटा कथन होता है। वाक्य में इसका प्रयोग किसी बात के समर्थन में किया जाता है। मुहावरे की तरह यह वाक्य का अंश नहीं होती। वाक्य में प्रयोग होने पर भी इसकी स्वतंत्र सत्ता बनी रहती है।

बच्चो! अब आपकी पुस्तक की पृष्ठ संख्या 316 पर दी गई लोकोक्तियों को पढ़ेंगे तथा उसके अर्थ को समझकर वाक्य में प्रयोग करना सीखेंगे।

1. अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गई खेत - हानि होने के बाद पछताने से कोई लाभ नहीं
वाक्य - पहले मेहनत नहीं की, अब फेल होकर पछता रहे हो। अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गई खेत।
2. अंधों में काना राजा - गँवारों में साधारण शिक्षित
वाक्य - सुधा की सारी कक्षा नालायक है। केवल सुधा ही पढ़ने में कुछ अच्छी है, तो अपना रोब जमाती है। किसी ने सच ही कहा है कि अंधों में काना राजा।
3. अंत भले का भला - अच्छे काम का परिणाम अच्छा होता है
वाक्य - राहुल, आप हमेशा अच्छे कर्म करो। अगर आप के साथ कोई अच्छा व्यवहार नहीं भी करता तो कोई बात नहीं। अंत भले का भला होता है।
4. आसमान से गिरा, खजूर में अटका - एक मुसीबत से निकलकर दूसरी में फँसना
वाक्य - वह लुटेरों के चुँगल से बच निकला, किंतु किसी जेबकतरे ने उसकी जेब काट ली। यह तो वही बात हुई कि आसमान से गिरा, खजूर में अटका।
5. एक पंथ दो काज - किसी काम के दो लाभ होना
वाक्य - मेरे भाई ने संगीत का एक कॉलेज खोला है, इससे उसका अपना अभ्यास हो जाता है, साथ ही कुछ कमाई भी हो जाती है इसे कहते हैं - एक पंथ दो काज।

6. अंधी पीसे कुत्ता खाय - परिश्रम कोई करे लाभ दूसरे उठाएँ
वाक्य - राम के पिता ने खून-पसीना बहाकर धन कमाया, किंतु उसे देखो मज़े कर रहा है। धन को पानी की तरह बहा रहा है। सच है, अंधी पीसे कुत्ता खाए।

7. अधजल गगरी छलकत जाए - छोटा आदमी बहुत दिखावा करता है
वाक्य - हिन्दी तो ठीक लिखनी आती ही नहीं, बताते हैं अपने को संस्कृत का विद्वान। ठीक ही कहा है, अधजल गगरी, छलकत जाए।

8. अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता - अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता
वाक्य - भगत सिंह ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता।

9. अपनी - अपनी डफली, अपना - अपना राग - सबका भिन्न-भिन्न मत
वाक्य - कई विरोधी दल हैं। कोई किसी की नहीं सुनता। यहाँ तो सबकी अपनी - अपनी डफली, अपना - अपना राग है।

10. आ बैल मुझे मार - स्वयं मुसीबत बुलाना
वाक्य - तुम्हें साथ में काम पर लगाकर मैंने तो खुद ही यह कहावत सिद्ध कर दी आ बैल मुझे मार।

11. आँखों का अंधा नाम नयनसुख - नाम के प्रतिकूल कार्य करना
वाक्य - इसका नाम तो करोड़ीमल है, परन्तु पैसा पास नहीं। क्या कहने आँखों का अंधा नाम नयनसुख।

12. आगे कुआँ पीछे खाई - दोनों ओर ही विपत्ति
वाक्य - यदि घर पर रहूँ, तो माता जी क्रुद्ध होती हैं और दुकान पर जाऊँ, तो पिता जी बोलते रहते हैं। मेरे लिए तो आगे कुआँ पीछे खाई वाली बात है।

13. गेहूँ के साथ घुन भी पिसता है - अपराधी के साथ निरपराध भी हानि उठाता है
वाक्य - हड़ताल में मैंने कोई भाग नहीं लिया था, लेकिन जब सारी कक्षा को सज़ा दी गई, तो मेरी बारी भी आ गई। ठीक है गेहूँ के साथ घुन भी पिसता है।

14. आम के आम गुठलियों के दाम - एक काम दुगुना लाभ
वाक्य - कई स्त्रियाँ पहले वस्त्रों को खूब घिसने तक पहनती हैं और बाद में कपड़े इकट्ठे करके बदले में बर्तन आदि ले लेती हैं। यह तो आम के आम गुठलियों के दाम वाली बात हुई।

15. आँख का अंधा गाँठ का पूरा - मूर्ख किंतु धनी
वाक्य - मुकेश पढ़ा - लिखा नहीं है, तो क्या हुआ, पैसे तो अधिक कमा लेता है। वह आँख का अंधा गाँठ का पूरा है।

बच्चो ! अब आपसे कुछ प्रश्न पूछे जाएँगे। आप थोड़े समय के लिए विराम लेकर उन प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 1. लोकोक्ति शब्द किन शब्दों के मेल से बना है ?
प्रश्न 2. 'गेहूँ के साथ घुन भी पिसता है' — इस लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।
प्रश्न 3. एक मुसीबत से निकलकर दूसरी में फँसना — इस अर्थ के लिए उपयुक्त लोकोक्ति लिखिए।

विराम का समय समाप्त हो चुका है। पूछे गए प्रश्नों के उत्तर इस प्रकार हैं :-

उत्तर 1. 'लोकोक्ति' शब्द दो शब्दों के मेल से बना है। लोक + उक्ति। लोक का अर्थ है जगत और उक्ति का अर्थ है कथन। लोक में प्रचलित कहावतें ही लोकोक्तियाँ कहलाती हैं।
उत्तर 2. गेहूँ के साथ घुन भी पिसता है — लोकोक्ति का अर्थ है अपराधी के साथ निरपराध भी हानि उठाता है।
उत्तर 3. आसमान से गिरा, खजूर में अटका।

बच्चो ! आगे की लोकोक्तियों को पढ़ेंगे एवं समझेंगे।

16. ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया - भाग्य की विचित्रता
वाक्य - माँ मज़दूरी करती है और बेटों के घर नौकर लगे हुए हैं। इसी को कहते हैं - ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया।

17. उलटे बाँस बरेली को - उलटा काम
वाक्य - वह तो पहले ही बहुत धनी है। उसे और धन देना तो उलटे बाँस बरेली वाली उक्ति सार्थक करनी है।

18 उलटा चोर कोतवाल को डाँटे - अपना दोष न मानकर कहने वाले पर दोष लगाना
वाक्य - सोहन ने मेरी किताब फाड़ दी, पूछने पर मुझे ही डाँटने लगा। यह तो वही बात हुई उलटा चोर कोतवाल को डाँटे।

19. ऊँची दुकान फीका पकवान - दिखावा अधिक सार कुछ नहीं
वाक्य - लड़की की शादी में सजावट तो बहुत की परन्तु भोजन किसी काम का नहीं था। यह तो वही बात हुई ऊँची दुकान फीका पकवान।

20. एक अनार सौ बीमार - वस्तु थोड़ी, माँग अधिक
वाक्य - किताब तो मेरे पास एक है, लेकिन कक्षा में सभी बच्चे उसे माँग रहे हैं। यह तो वही बात हुई कि एक अनार सौ बीमार।

21. एक हाथ से ताली नहीं बजती - झगड़ा केवल एक ही तरफ़ से नहीं होता
वाक्य - सास और बहू की खूब लड़ाई हुई। सास बहू को बुरा कह रही थी और स्वयं को अच्छा बता रही थी, परन्तु लोगों ने कहा कि एक हाथ से ताली नहीं बजती।

22 एक तो करेला दूसरे नीम चढ़ा - एक तो कमी है ही, दूसरी और हो गई
वाक्य - रीटा तो पहले ही सब पर रोब डालती थी। अब उसे मॉनीटर बना दिया। एक तो करेला दूसरे नीम चढ़ा वाली बात हुई।

23 कोयलों की दलाली में मुँह काला - बुरे व्यक्ति के साथ रहने से बुराई ही मिलती है
वाक्य - मैं तो भूल से ही उनके झगड़े में पड़ गया, मुझे भी बदनामी मिली है। सच है कोयलों की दलाली में मुँह काला।

24. कंगाली में आटा गीला - एक मुसीबत पर दूसरी मुसीबत आना
वाक्य - एक तो पहले ही गुज़ारा कठिनाई से होता है उस पर नौकरी छूट गई। इसे ही कहते हैं, कंगाली में आटा गीला।

25. काठ की हाँडी बार-बार नहीं चढ़ती - धोखा एक बार ही चलता है
वाक्य - एक बार ही आपसे कपड़े लिया और इतना घटिया

निकला। अब के बाद तो आपसे कोई खरीदारी नहीं करूँगा। काठ की हाँडी बार-बार नहीं चढ़ती।

26. काला अक्षर भैंस बराबर - बिलकुल अशिक्षित
वाक्य - क्या इसके कपड़ों को देखकर ही उसे पढ़ा-लिखा समझ लिया? इसके लिए तो काला अक्षर भैंस बराबर है।

27. खोदा पहाड़ निकली चुहिया - बहुत परिश्रम करने पर कम फल की प्राप्ति
वाक्य - हम पाँच मील पैदल चलकर बहुत उत्साह से मेला देखने गए पर वहाँ छोटे बच्चों के खेलों के सिवाय कुछ भी नहीं था। यह तो खोदा पहाड़ निकली चुहिया वाली बात हुई।

28. खरबूज़े को देखकर खरबूज़ा रंग बदलता है - एक को देखकर दूसरा भी वैसा ही करता है
वाक्य - हमारा नौकर बहुत भोला-भाला था, किंतु पड़ोस के चालाक नौकरों के साथ मिलकर वह भी बहुत चालाक हो गया है। सच है खरबूज़े को देखकर खरबूज़ा रंग बदलता है।

29. घर का भेदी लंका ढाए - फूट से हानि होती है
वाक्य - रावण के पराजित होने का मुख्य कारण यह है कि उसका भाई विभीषण ही शत्रु-पक्ष की ओर हो गया, इसलिए तो कहते हैं घर का भेदी लंका ढाए।

30. घर की मुर्गी दाल बराबर - घर की वस्तु की कदर नहीं होती
वाक्य - दिनेश के पिता एम. ए. पास हैं पर वह उनसे पढ़ता नहीं और पास के घर ट्यूशन पढ़ने जाता है, इसीलिए कहते हैं घर की मुर्गी दाल बराबर।

बच्चो! अब हम अपनी लोकोक्तियों को यही समाप्त करते हैं। सभी छात्र इन लोकोक्तियों के अर्थ को समझकर इन पर आधारित कहानी लिखने का भी प्रयास करेंगे।

गृहकार्य

सभी छात्र आज करवाई गई लोकोक्तियाँ एक से तीस तक (पृष्ठ संख्या 316, 317 एवं 318) अपनी-अपनी व्याकरण की अंतर-पुस्तिका में लिखेंगे एवं इन्हें याद भी करेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]